मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई.-004 : कुण्डली निर्माण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. दिनमान को परिभाषित करते हुए सूर्योदय, सूर्यास्त तथा दिनमान की विधि का वर्णन कीजिए।
2. पञ्चांग से ग्रहों का तात्कालिक स्पष्टीकरण किस प्रकार होता है ? कल्पित उदाहरणपूर्वक उल्लेख कीजिए।
3. पलभा, चरखण्ड और उदयमान का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. लग्नसाधन का सोदाहरण विस्तार से वर्णन कीजिए।
5. वर्तमान उदाहरणों से दशम लग्नसाधन का वर्णन कीजिए।
6. भावसाधन एवं चलित चक्र निर्माण की विधि का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. संक्षेप में राशि एवं ग्रहों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
2. अन्तर्दशा निकालने की विधि का उदाहरण के साथ वर्णन कीजिए।
3. सूर्य अष्टकवर्ग साधन का सप्रमाण वर्णन कीजिए।
4. बुधाष्टक और गुर्वष्टक वर्ग का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
5. अष्टोत्तरी दशा से क्या तात्पर्य है ? इसकी विधि का उल्लेख कीजिए।
6. कुण्डली में सूक्ष्मदशा बनाने की विधि का वर्णन कीजिए।
7. षड्वर्ग विचार में गृह एवं होरा वर्ग साधन का उल्लेख कीजिए।
8. त्रिशांश एवं द्वादशांश साधन का वर्णन कीजिए।